बिहार विधान-सभा वादवृत्त।

भारत के संविधान के उपबंध के अनुसार एकत्र बिहार विधान-सभा का कार्य-विवरण।

सभा का अधिवेशन पटने के सभा-सदन में वृहस्पतिवार, तिथि ८ दिसम्बर, १९६६ को पूर्वाह्न ११ बजे डा० लक्ष्मी नारायण सुधांशु के सभापतित्व में प्रारम्भ हुआ।

श्री नवल किशोर सिंह—महाशय, मैं बिहार विधान-सभा के सत्र फरवरी से अप्रील, १९६६ ई० के १,२९१ तारांकित प्रश्नों में से ११५ प्रश्नों के उत्तर† सदन के पटल पर रखता हूं।

अल्प-सूचित प्रश्नोत्तर।

स्वर्णकारों की गिरफ्तारी।

*१। श्री कर्पूरी ठाकुर—क्या मुख्य मंत्री, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(१) कितने स्वर्णकार इस राज्य में स्वर्ण नियंत्रण आदेश के विरुद्ध आन्दोलन के सिलसिले में गिरफ्तार हुए ;

(२) उनको कारामुक्ति का आदेश कब दिया गया, यदि नहीं, तो क्यों ?

*श्री जनार्दन तिवारी—श्री कर्पूरी ठाकुर, जो इस प्रश्न के प्रश्नकर्त्ता हैं, अभी सदन में मौजूद नहीं हैं। चूंकि यह अल्पसूचित प्रश्न बहुत ही महत्वपूर्ण है इसलिए इसे पूछने की अनुमति मैं चाहता हूं।

अध्यक्ष—अगर प्रश्नकर्त्ता इस प्रश्न के महत्व को समझते तो सदन से अनुपस्थित नहीं रहते। लोक-सभा में एक ही प्रश्न के कई प्रश्नकर्त्ता रहते हैं और उस प्रश्न के सामने उनका नाम अंकित रहता है। आपको भी अपना नाम देना चाहिये।

---

*प्रश्नकर्त्ता की अनुपस्थिति में श्री जनार्दन तिवारी के अनुरोध पर उत्तर दिया गया।

† कृपया परिशिष्ट देखें।

विद्यालय भवन का निर्माण

११०३। श्री बलदेव प्रसाद—क्या मंत्री, शिक्षा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(१) क्या यह बात सही है कि पटना जिला के गिरियक प्रखंड में लाल विद्या माध्यमिक विद्यालय का निजी भवन सन् १९६१ की बाढ़ में गिरकर नष्ट हो गया है ;

(२) क्या यह बात सही है कि भवन के अभाव में विद्यार्थी पेड़ एवं खुले मैदान में बैठकर अध्ययन करते हैं ;

(३) क्या यह बात सही है कि उक्त विद्यालय का निर्माण प्राक्कलन विभाग द्वारा जिला शिक्षा अधीक्षक के पास भेज दिया गया है ;

(४) यदि उपरोक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार कबतक उक्त विद्यालय भवन का निर्माण करना चाहती है ?

श्री सत्येन्द्र नारायण सिंह—(१) आलोच्य स्कूल भवन १९६१ की बाढ़ में क्षतिग्रस्त हो गया था।

(२) उत्तर स्वीकारात्मक है।

(३) उत्तर स्वीकारात्मक है।

(४) प्राप्त आदर्श प्राक्कलन के आधार पर निर्माण-कार्य कराने का अनुरोध जिला अभियंता, पटना से किया गया था। ६० विद्यालयों में ४१ के भवन-निर्माण का कार्य प्रारंभ किया गया है। शेष विद्यालय भवनों की मरम्मत हेतु आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

फिजिकल इन्सट्रक्टर की नियुक्ति

११०४। श्री राजपति राम—तारांकित प्रश्न संख्या २६२७ (अनागत) जिसका उत्तर तिथि १३ अप्रील, १९६४ को सभा-भवन की मेज पर रखा गया है, को ध्यान में रखते हुए क्या मंत्री, शिक्षा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि–

(१) समस्तीपुर एवं देवघर शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में अभीतक फिजिकल इंसट्रक्टर की नियुक्ति क्यों नहीं की गयी है ;

(२) सरकार कबतक उन पदों पर नियुक्ति करना चाहती है ?

श्री सत्येन्द्र नारायण सिंह—(१) शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, समस्तीपुर में शारीरिक शिक्षा अनुदेशक की नियुक्ति बहुत पहले ही हो चुकी है। शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, देवघर में भी एक शारीरिक शिक्षा अनुदेशक की नियुक्ति हुई थी, परन्तु उन्होंने योगदान नहीं किया। उक्त इस महाविद्यालय के एक व्याख्याता द्वारा शारीरिक शिक्षण का कार्य सम्पन्न कराया जा रहा है। चूंकि अभी काम चल ही रहा था इसलिये संकटकालीन के कारण इस पद को नहीं भरा गया।

(२) काम चल ही रहा है इस कारण सरकार अभी इस विषय में कोई भी विचार नहीं रखती है।